NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th

Subject : हिन्दी

Chapter : 13

Chapter Name : तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंकितयों में दीजिए-

Q1. तीसरी कसम फ़िल्म को कौन-कौन से पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है?
Answer:
'तीसरी कसम' फ़िल्म को 'राष्ट्रपति स्वर्ण पदक मिला, बंगाल फ़िल्म जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म घोषित किया और कई अन्य पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। मास्को फिल्म फ़ेस्टिवल में भी यह फ़िल्म पुरस्कृत हुई।

Page no. 94 Block name. मौखिक

Q2. शैलेंद्र ने कितनी फ़िल्मे बनाई?
Answer:
शैलेंद्र ने केवल एक ही फ़िल्म बनाई थी। जिसका नाम 'तीसरी कसम' था। यह शैलेंद्र की पहली और आख़िरी फ़िल्म थी।इस फिल्म को 'राष्ट्रपति स्वर्णम्पदक' मिला।

Page no. 94 Block name. मौखिक

Q3. राजकपूर द्वारा निर्देशित कुछ फ़िल्मों के नाम बताइए।
Answer:
राजकपूर द्वारा निर्देशित कुछ फिल्मों के नाम इस प्रकार है- संगम ,
मेरा नाम जोकर,
अजन्ता,
मैं और मेरा दोस्त,
और सत्यम् शिवम् संदुरम , तीसरी कसम आदि।

Page no. 94 Block name. मौखिक

Q4. तीसरी कसम फ़िल्म के नायक व नायिकाओं के नाम बताइए और फ़िल्म में इन्होंने किन पात्रों का अभिनय किया है?
Answer:
'तीसरी कसम' फिल्म के नायक का नाम राजकपूर था और नायिका का नाम वहीदा रहमान था। राजकपूर ने 'हीरामन' की और वहीदा रहमान ने 'हीराबाई' की भूमिका निभाई।

Page no. 94 Block name. मौखिक

Q5 फ़िल्म तीसरी कसम का निर्माण किसने किया था?
Answer:
फ़िल्म तीसरी कसम का निर्माण शैलेद्र जी ने किया था।

Page no. 94 Block name. मौखिक

Q6. राजकपूर ने 'मेरा नाम जोकर के निर्माण के समय किस बात की कल्पना भी नहीं की थी?
Answer:
राजकपूर ने 'मेरा नाम जोकर के निर्माण के समय इस बात की कल्पना नहीं की थी कि फिल्म के एक ही भाग को बनाने में छह वर्षों का समय लग जायेगा।

Page no. 94 Block name. मौखिक

Q7. राजकपूर की किस बात पर शैलेंद्र का चेहरा मुरझा गया?
Answer:
जब राजकपूर ने तीसरी कसम फिल्म की कहानी सुनकर अपना मेहनताना माँगा तो राजकपूर का चेहरा मुरझा गया।

Page no. 94 Block name. मौखिक

Q8. फ़िल्म समीक्षक राजकपूर को किस तरह का कलाकार मानते थे?
Answer:
फिल्म समीक्षक राजकपूर को शौमैन मानते थे क्योंकि राजकपूर आँखो से बात करने वाले कलाकार थे।

Page no. 94 Block name. मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिए -

Q1 'तीसरी कसम' फ़िल्म को 'सैल्यूलाइड पर लिखी कविता' क्यों कहा गया है?
Answer:

aglasem.com

'तीसरी कसम' वह फ़िल्म है जिस ने हिंदी साहित्य की एक अत्यंत मार्मिक कृति को सैल्यूलाइड पर पूरी सार्थकता से उतारा। इसलिए इसे सैटयूलाइड पर लिखी कविता कहा गया है।

Page no. 94 Block name. लिखित

Q2 'तीसरी कसम' फ़िल्म को ख़रीदार क्यों नहीं मिल रहे थे?
Answer:
इस फिल्म का ज्यादा प्रचार नहीं हुआ। दरअसल यह फिल्म संवेदनशील थी, इसकी समझ वितरकों को नहीं थी। इसमें रची- बसी करूणा तराजु पर तौली जा सकने वाली चीज नहीं थी। जो इसकी वास्तविकता को समझ नहीं सके।इसी कारण इस फिल्म को ख़रीदार नहीं मिल रहे थे।

Page no. 94 Block name. लिखित

Q3 शैलेंद्र के अनुसार कलाकार का कर्तव्य क्या है?
Answer:
शैलेद्र के अनुसार कलाकार का कर्तव्य है कि वह उपभोक्ता की रुचियों का परिष्कार करने का प्रयत्न करे और वह दर्शकों की रूचि की आड़ में उन पर अपनी मानसिकता को न थोपे।

Page no. 94 Block name. लिखित

Q4 फ़िल्मों में त्रासद स्थितियों का चित्राकनं ग्लोरिफाई क्यों कर दिया जाता है ?
Answer.
फिल्मों में त्रासद स्थितियों का चित्राकनं इसलिए ग्लोरिफाई कर दिया जाता है ताकि दर्शकों का भावनात्मक शोषण कर सके और दुःख को बहुत बढ़ा-चढ़ा कर प्रस्तुत किया जाता है और इससे फिल्म को सफलता भी प्राप्त होती है।

Page no. 94 Block name. लिखित

Q5 'शैलेंद ने राजकपूर की भावनाओं को शब्द दिए है' -इस कथन से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।
Answer:
राजकूपर एक बहुत अच्छे कलाकार थे। जो हर तरह का अभिनय कर लेते थे। राजकूपर आँखों से बात करने वाले कलाकार थे उन्होंने हीरामन के चरित्र में स्वंय को ढाल लिया था। शैलेंद्र ने राजकपूर की भावनाओं को शब्द दिये।

Page no. 94 Block name. लिखित

Q6 लेखक ने राजकपूर को एशिया का सबसे बड़ा शोमैन कहा है। शोमैन से आप क्या समझते हैं ?
Answer:

aglasem.com

जो कलाकार हर तरह का अभिनय करके लोगों का मन जीत ले उसे शोमैन कहा जाता है और राजकपूर में ये सब खुबियां थी।वह ऑखों से अभिनय करते थे।इसलिए उन्हें एशिया का सबसे बड़ा शोमैन कहा जाता है।क्योंकि फिल्म तीसरी कसम में वो हीरामन का अभिनय नहीं करते ,अपितु खुद हीरामन में ढ़ल जाते है।

Page no. 94 Block name. लिखित

Q7 फ़िल्म 'तिसरीकसम' के गीत 'रातोंदसों दिशाओं से कहेंगी अपनी कहानियाँ 'पर संगीतकार जयकिशन ने आपत्ति क्यों की ?

Answer:
संगतिकार जयकिशन को आपत्ति थी क्योंकि उन्हें लगता था कि दर्शक चार दिशाएँ तो समझ सकते है दस- दिशाएँ नहीं।

Page no. 94 Block name. लिखित

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए -

Q1 राजकपूर द्वारा फ़िल्म की असफलता के खतरों से आगाह करने पर भी शौलेंद्र ने यह फ़िल्म क्यों बनाई ?
Answer:
शैलेंद्र एक आदर्श वादी भावुक कवि थे, जिन्हें अपार संपति और यश तक की इतनी कामना नहीं थी जितनी की आत्म- संतुष्टि के सुख की थी।उन्होंने यह फिल्म अपनी सुख और आत्मसंतुष्टि के लिए बनाई थी जबकि राजकपूर ने उनको पहले ही फिल्म की असफलता के खतरों से आगाह कर दिया था।

Page no. 95 Block name. लिखित

Q2 तीसरी कसम में राजकपूर का महिमामय व्यक्तित्व किस तरह हीरामन की आत्मा में उतर गया है ? स्पष्ट कीजिए ।
Answer: राजकपूर एक मंझे हुए कलाकार थे।वे फिल्म के पात्र को जीवंत कर देते थेऔर वे पात्र को अपने ऊपर हावी नहीं होने देते थे।राजकपूर ने तीसरी कसम फिल्म में हीरामन की भूमिका निभाई थी जिसमें शैलेंद्र ने राजकपूर जैसे स्टार को हीरामन बना दिया था ।हीरामन के केदार में वे इतने डूब गये कि दोनों में फर्क ही न रहा और हीराबाई की फेनू - गिलासी बोली पर रीझता हुआ उसकी भोली सूरत पर न्यौछावर होता हुआ सच्चा हीरामन बन जाता है।हीरामन जो सिर्फ दिल की जुबान समझता है,दिमाग की नहीं।इस फ़िल्म में राजकपूर हीरामन का अभिनय नहीं करते ,अपितु खुद हीरामन में ढल जाते है।

Page no. 95 Block name. लिखित

aglasem.com

Q3 लेखक ने ऐसा क्यों लिखा कि तीसरी कसम ने साहित्य- रचना के साथ शत - प्रतिशत न्याय किया है ?

Answer:

शैलेंद्र ने पात्रों के व्यक्तित्व ,प्रसंग, घटनाओं में कोई परिवर्तन नहीं किया। 'तीसरी कसम 'फिल्म फणीश्वरनाथ रेणु की कृति पर अधारित थी।कलाकारों ने भी पात्रों को पूर्ण रूप से जिया था।शैलैंद्र का फिल्म बनाने का उद्देश्य धन कमाना नहीं था ।उनका उद्देश्य एक संदुर कृति बनाना था।इसलिए कहा जाता है कि तीसरी कसम ने साहित्य रचना के साथ शत - प्रतिशत न्याय किया है।

Page no. 95 Block name. लिखित

Q4 शैलेंद्र के गीतों की क्या विशेषताएँ है ? अपने शब्दों में लिखिए।

Answer:

शैलेंद्र दर्शकों की रुचि का परिष्कार करना चाहते थे। उन्होंने भाव प्रवणता को महत्व दिया । उन्होने धन कमाने के लोभ में कभी गीत नहीं लिखे।उनके गीत दिल की गहराईयों से निकले हुए थे।उनके गीत संवेदना, करुणा आदि भावों से भरे हुए थे तथा दिल को छू लेने वाले थे। इनके गीत मनुष्य को आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं।

Page no. 95 Block name. लिखित

Q5 फ़िल्म निर्माता के रूप में शैलेंद्र की विशेषताओं पर प्नकाश डालिए ।

Answer:

तीसरी कसम शैलेन्द्र की पहली और आखिरी फिल्म थी।शैलेन्द्र ने इस साहित्यक रचना को बेहद ईमानदारी के साथ पर्दे पर उतारा।उन्हें यश और धन की कोई लाल सा नहीं थी।वे दर्शकों की रूचि का परिष्कार करना चाहते थे।वे दुःख को भी सहज स्थिति में प्रस्तुत करते थे।उनकी संवेदन शीलता उनकी फ़िल्म में नजर आई।उन्होने हीरामन और हीराबाई की भावनाओं को शब्द दिये।उनकी फ़िल्म का चाहे कोई ख़रीदार नहीं था पर उनकी फ़िल्म को सराहा गया और शैलेन्द्र की अपनी पहचान बनी और फ़िल्म को अनेकों पुरस्कार मिले।

Page no. 95 Block name. लिखित

Q6 शैलेंद्र के निजी जीवन की छाप उनकी फ़िल्म में झलकती है कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

Answer:

शैलेन्द्र के गीत भाव प्रवणता थे।वे एक कवि थे और साधारण जीवन जीने में विश्वास रखते थे।उनका मानना था कि कलाकार का कर्तव्य है कि वह दर्शकों की रुचियों का परिष्कार करें। उनके निजी जीवन की छाप उनकी फिल्म में झलकती है।उनके गीत नदी के प्रवाह की तरह शांत और सागर की तरह गहरे थे।यही विशेषता उनकी फिल्म की थी।उन्होंने फिल्म का निर्माण थन लाभ के लिए नहीं, आत्मा की संतुष्टि के लिए किया था।

aglasem.com

Page no. 95 Block name. लिखित

Q7 लेखक के इस कथन से कि तीसरी कसम फ़िल्म कोई सच्चा कवि - हृदय ही बना सकता था, आप कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिए।
Answer:
शैलेन्द्र एक संवेदनशील, भाव- प्रवण कवि है।संवेदनशीलता स्पष्ट रूप से फिल्म में मौजूद है। तीसरी कसम भाव प्रधान फिल्म है।कलाकार पात्रो के चरित्र में पूरी तरह ढले हुए है। यह संवेदनशीलता आम फिल्म निर्माता में नहीं होती।कवि हृदय व्यक्ति ही इन भावनाओं को समझ सकता था।अतः सही ही कहा गया है कि इस फिल्म को कोई कवि- हृदय व्यक्ति ही बना सकता था।

Page no. 95 Block name. लिखित

निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए।

Q1 .....वह तो एक आदर्शवादी भावुक कवि था, जिसे अपार संपत्ति और यश तक की इतनी कामना नहीं थी जितनी आत्म-संतुष्टि के सुख की अभिलाषा थी।
Answer:
इन पक्तियों से कवि का आशय है कि शैलेंद्र एक भावुक और आदर्शों में विश्वास ररवने वाले कवि थे।उन्हें यश और धन की कामना न थी।उन्होंने आत्मसंतुष्टिट के लिए ही फिल्म का निर्माण किया।

Page no. 95 Block name. लिखित

Q2 उनका यह दृढ़ मंतव्य था कि दर्शकों की रुचि की आड़ में हमें उथलेपन को उन पर नहीं थोपना चाहिए।कलाकार का यह कर्तव्य भी है कि वह उपभोक्ता की रूचियोंका परिष्कार करने का प्रयत्न करे।
Answer:
शैलेंद्र का मानना था कि कलाकार का कर्तव्य है कि वह दर्शकों की रूचि के अनुसार काम करें और उनकी रूचि को सुधारने की कोशिश करें न की उथलेपन को थोपे।

Page no. 95 Block name. लिखित

Q3 व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती , उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है।
Answer:
इस पंक्ति में लेखक कहता है कि व्यथा इंसान को तोड़ती नहीं है।वह उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है,उसे हराती नहीं बल्कि जीत हासिल करने को कहती है।

Page no. 95 Block name. लिखित

Q4 दरअसल इस फ़िल्म की संवेदना किसी दो से चार बनाने वाले की समझ से परे है।
Answer:

aglasem.com

इस पंक्ति में उन फिल्म निर्माता पर कटाक्ष किया गया है जिनका उद्देश्य केवल धन कमाना होता है।पर 'तीसरी कसम' फिल्म की संवेदना आम व्यक्ति से परे थी।

Page no. 95 Block name. लिखित

Q5 उनके गीत भाव - प्रवण थे - दुरूह नहीं।
Answer:
शौलेंद्र के गीत भाव प्रधान थे। वे भावों की सहज अभिव्यक्ति करते थे।वे मनुष्य की भावनाओं को छूने वाले थे। उनमें कठिनता नहीं थी।

Page no. 95 Block name. लिखित

भाषा अध्ययन
Q3 पाठ में आए निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाइए -
1. चेहरा मुरझाना - पेपरों में कम अंक देखकर उसका चेहरा मुरझा गया।
2.चक्कर खा जाना - कमजोरी की वजह से वह चक्कर खा कर गिर गया।
3. दो से चार बनाना - धन - दौलत के लोभी हर समय दो से चार बनाने में लगे रहते हैं।
4. आँखों से बोलना - मोहन ज़ुबान से नहीं आँखों से बोलता है।

Q4 निम्नलिखित शब्दों के हिंदी पर्याय दीजिए-
(क) शिद्दत……
(ख) याराना……..
(ग) बमुश्किल……..
(घ) खालिस…….
(ड़) नावाकिफ़…….
(च) यकीन……..
(छ) हावी……..
(ज) रेशा ……..

Answer:
क) शिद्दत- प्रयास
ख) याराना- दोस्ती
ग) बमुश्किल- कठिन
घ) खालिस - मात्र
ड़) नावाकिफ़ - अनभिज्ञ
च) यकीन- विश्वास
छ) हावी - प्रभावी
ज) रेशा - तंतु

aglasem.com

Q5 निम्नलिखत का संधिविछेद कीलिए-
क) चित्रांकन ……+.....
ख) सर्वोत्कृष्ट ……+.....
ग) चर्मोत्कर्ष ……..+.....
घ) रूपांतरण ……+.....
ड़) घनानंद……+.....
Answer:
क) चित्रांकन - चित्र + अंकन
ख) सर्वोत्कृष्ट - सर्व + उत्कृष्ट
ग) चर्मोत्कर्ष - चरम + उक्कर्ष
घ) रूपांतरण - रूप + अतंरण
ड़) घनानंद - घन + आनंद

Q6 निम्नलिखित का समास विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए-
क) कला-मर्मज्ञ ……..
ख) लोकप्रिय ……..
ग) राष्ट्रपति ……..
Answer:
क) कला-मर्मज्ञ - कला का मर्मज्ञ (तत्पुरूष समास)
ख) लोकप्रिय - लोक में प्रिय (तत्पुरूष समास)
ग) राष्ट्रपति - राष्ट्र का पति (तत्पुरूष समास)

aglasem.com